आपने लिखा

अंक 58 में प्रकाशित लेख 'क्या-क्या ज़रूरी है एक कक्षा में' को हमने गहरी दिलचस्पी से पढ़ा। एक कक्षा कैसी हो और उसमें क्या-क्या हो, इसकी नवीनतम अवधारणा की इतनी विस्तारपूर्वक प्रस्तुति हेतु हम रूथ रस्तोगी को बधाई देते हैं।

सचिव
तैय्यबा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
परतापुर, राजस्थान

मेरी पुस्तक 'स्कूल पास या फेल' का एक अंश इतने बढ़िया ढंग से छापने के लिए शुक्रिया। संदर्भ के इस अंक में छपे 'सोनी बुआ' के अनुभव और 'क्या-क्या हो बच्चों की एक किताब में?' अच्छे लगे, सीखने को मिला। कहानी भी बड़ी मार्मिक है। आपको इस सार्थक प्रयास के लिए शुभकामनाएँ देना चाहूँगी।

रेशमा भारती
दिल्ली

संदर्भ भेजने के लिए धन्यवाद। लेख सरल एवं स्वस्थ हैं। सामान्य व्यक्तियों के लिए पठनीय हैं। पालकों के लिए ज्ञानवर्धक हैं।

अंक 58 में 'पीपल के पत्तों पर कालिख....' लेख में मुझे कुछ कमी दिखाई दी जिसकी तरफ मैं आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ। मध्य भारत में सूटी मोल्ड अधिकतर तीन फफूँदों के कारण होता है: Tripospermum/Triposporium sp., Leptoxyphium graminum, Polychaeton sp. ।

फोटोग्राफ में जो चित्र दिया है वह सूटी मोल्ड फफूँद नहीं है। नीचे के दोनों ही चित्र एसपर्जिलस प्रजाति के हैं, जो सूटी मोल्ड फफूँद नहीं हैं।

एन.डी.शर्मा (सेवानिवृत प्रोफेसर)
जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय
जबलपुर, मध्यप्रदेश

संदर्भ अंक 58 पढ़ा। कवर पृष्ठ बहुत ही आकर्षक बन पड़ा है। 'कमल की पत्तियाँ, इतनी साफ और बेदाग क्यों?' तथा 'टिटहरी के बच्चों की लुका-छिपी' लेख अच्छे लगे। मगर पत्रिका में प्रूफ सम्बन्धी गलतियों की भरमार ने दुखी कर दिया। संदर्भ जैसी स्तरीय पत्रिका में ऐसी त्रुटियाँ अपेक्षित नहीं होने से ये क्षम्य नहीं हैं।

प्रूफ की गलतियों की शुरुआत कवर दो में लेखों के सम्बन्ध में दिए परिचय से दिखाई देने लगती है। इसकी बानगी पेश है - अन्दर पाँचवीं लाइन में 'न्यूनतम' की जगह 'न्यूतनम' और इसी पृष्ठ पर सोनी बुआ वाले लेख के ज़िक्र में पहली लाइन में 'लड़कियों' की जगह 'लड़िकयों' छपा है। मेरे लेख में भी गड़बड़ियाँ हैं। चित्र के कैप्शन में 'मीली बग' की जगह 'मीली बस' छपा है। ऐसी ही कुछ और गलतियाँ भी हैं।

लेख के साथ दिए गए चित्र में सूटी मोल्ड की जगह अन्य किसी मोल्ड का चित्र छपा है। मैं इस ओर ध्यान दिलाने वाला ही था कि इसी संदर्भ में मुझे जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के सेवानिवृत प्रोफेसर एन.डी.शर्मा का पत्र मिला। उन्होंने लेख में एसपर्जिलस (Aspergillus) के चित्र छपे होना बताया है। उनका कहना बिलकुल ठीक है। इस

ओर ध्यान दिलाने के लिए उनका धन्यवाद। मध्य प्रदेश में सूटी मोल्ड पैदा करने वाली कुछ फफूँदों के नाम भी उन्होंने लिखे हैं। उन्हें पुनः धन्यवाद। उन्होंने सन्तरे की पत्तियों पर उगने वाली सूटी मोल्ड का अध्ययन किया है। इसे पोषण कहाँ से व कैसे मिलता है, मेरी उनसे गुज़ारिश है कि यदि वे यह भी बताएँ तो हम सबके लिए लाभप्रद रहेगा।

किशोर पंवार
प्राध्यापक
होल्कर साइंस कॉलेज, इंदौर

भूल-सुधार

1. 'एक स्कूल का इतिहास - सोनी बुआ के साथ' लेख में पृष्ठ 20-21 पर दिए गए फोटोग्राफ मसीही माध्यमिक स्कूल के नहीं हैं। वे फोटोग्राफ हाट पीपल्या के शासकीय कन्या हाई स्कूल के हैं।
2. 'क्या-क्या ज़रूरी है एक कक्षा में?' लेख में चित्रों व फोटोग्राफ के सम्बन्ध में कुछ जानकारी छूट गई थी। इस लेख के सभी फोटोग्राफ रूथ रस्तोगी के हैं। लेख में अन्य समस्त चित्र - बिल्डिंग एज़ लर्निंग एड (बाला) - किताब से लिए गए हैं।

   Building As Learning Aid (BALA) किताब के लेखक कबीर वाजपेयी हैं। इस किताब में रेखांकन एन.आई.जे.एच. ग्राफिक्स एण्ड ऐनीमेशन, नई दिल्ली ने किया है।
3. किशोर पंवार के व अन्य लेखों में प्रूफ की जो त्रुटियाँ रह गई हैं उनके लिए हमें खेद है।

--- सम्पादक मण्डल